

Basic accounting principles; concepts and postulates

**By Pro. Poshan Sahu
(Commerce Department)**

What Are Accounting Principles?

Accounting principles are the rules and guidelines that companies must follow when reporting financial data.

- The Financial Accounting Standards Board (FASB) issues a standardized set of accounting principles in the U.S. referred to as generally accepted accounting principles (GAAP).
- In India, the Accounting Standards Board (ASB) of the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) is responsible for setting accounting standards (AS).

लेखांकन सिद्धांत क्या हैं?

लेखांकन सिद्धांत वे नियम और दिशानिर्देश हैं जिनका पालन कंपनियों को वित्तीय आँकड़ों की रिपोर्टिंग करते समय करना चाहिए।

· वित्तीय लेखांकन मानक बोर्ड (FASB) अमेरिका में लेखांकन सिद्धांतों का एक मानकीकृत समूह जारी करता है जिसे सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांत (GAAP) कहा जाता है।

· भारत में, भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान (ICAI) का लेखांकन मानक बोर्ड (ASB) लेखांकन मानक (AS) निर्धारित करने के लिए जिम्मेदार है।



What are Accounting postulates?

An accounting postulate is an assumption in the field of accounting based on historical practice. Accounting postulates form the basis of the accounting standards that govern how transactions are treated and recorded.

लेखांकन अभिधारणाएँ क्या हैं?

लेखांकन अभिधारणा, लेखांकन के क्षेत्र में ऐतिहासिक अभ्यास पर आधारित एक धारणा है। लेखांकन अभिधारणाएँ उन लेखांकन मानकों का आधार बनती हैं जो यह निर्धारित करते हैं कि लेन-देन कैसे व्यवहार में लाए जाते हैं और कैसे दर्ज किए जाते हैं।

What are accounting concepts and conventions?

Accounting concept is nothing but a theoretical notion that is applied while preparing financial statements. On the contrary, accounting conventions are the methods and procedure which are followed to give a true and fair view of the financial statement.

लेखांकन अवधारणाएँ और परंपराएँ क्या हैं?

लेखांकन अवधारणा और कुछ नहीं बल्कि एक सैद्धांतिक अवधारणा है जिसका प्रयोग वित्तीय विवरण तैयार करते समय किया जाता है। इसके विपरीत, लेखांकन परंपराएँ वे विधियाँ और प्रक्रियाएँ हैं जिनका पालन वित्तीय विवरण का सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करने के लिए किया जाता है।

The best-known of principles are as follows:

सबसे प्रसिद्ध सिद्धांत इस प्रकार हैं:

1) Accrual principle: This is the concept that accounting transactions should be

recorded in the accounting periods when they actually occur, rather than in the periods when there are cash flows associated with them.

For example, if you ignored the accrual principle, you would record an expense only when you paid for it, which might incorporate a lengthy delay caused by the payment terms for the associated supplier invoice.

1) उपार्जन सिद्धांत: यह वह अवधारणा है :- जिसके अनुसार लेखांकन लेन-देनों को उन लेखांकन अवधियों में दर्ज किया जाना चाहिए जब वे वास्तव में घटित होते हैं, न कि उन अवधियों में जब उनसे नकदी प्रवाह जुड़ा होता है।

उदाहरण के लिए यदि आप उपार्जन सिद्धांत की उपेक्षा करते हैं, तो आप किसी व्यय को तभी दर्ज करेंगे जब आपने उसका भुगतान किया होगा, जिसमें संबंधित आपूर्तिकर्ता चालान के भुगतान की शर्तों के कारण होने वाला लंबा विलंब शामिल हो सकता है।

1) Conservatism principle: This is the concept that you should record expenses and liabilities as soon as possible, but to record revenues and assets only when you are sure that they will occur. This introduces a conservative slant to the financial statements that may yield lower reported profits, since revenue and asset recognition may be delayed for some time.

1) रूढ़िवादिता का सिद्धांत: यह वह अवधारणा है जिसके अनुसार आपको व्यय और देनदारियों को यथाशीघ्र दर्ज करना चाहिए, लेकिन राजस्व और परिसंपत्तियों को तभी दर्ज करना चाहिए जब आपको यकीन हो कि वे घटित होंगी। इससे वित्तीय विवरणों में एक रूढ़िवादी झुकाव पैदा होता है जिससे कम लाभ दर्ज हो सकता है, क्योंकि राजस्व और परिसंपत्तियों की पहचान में कुछ समय के लिए देरी हो सकती है।

2) Consistency principle: This is the concept that, once you adopt an accounting principle or method, you should continue to use it until a demonstrably better principle or method comes along. Not following the consistency principle means that a business could continually jump between different accounting treatments of its transactions that makes its long-term financial results extremely difficult to discern.

2) संगति सिद्धांत: यह अवधारणा है कि, एक बार जब आप किसी लेखांकन सिद्धांत या पद्धति को अपना लेते हैं, तो आपको तब तक उसका उपयोग करते रहना चाहिए जब तक कि कोई बेहतर सिद्धांत या पद्धति सामने न आ जाए। संगति सिद्धांत का पालन न करने का अर्थ है कि कोई व्यवसाय अपने लेन-देन के विभिन्न लेखांकन तरीकों के बीच लगातार बदलाव कर सकता है, जिससे उसके दीर्घकालिक वित्तीय परिणामों को समझना बेहद मुश्किल हो जाता है।

3) Cost principle: This is the concept that a business should only record its assets, liabilities, and equity investments at their original purchase costs. This principle is becoming less valid, as a host of accounting standards are heading in the direction of adjusting assets and liabilities to their fair values.

3) लागत सिद्धांत यह वह अवधारणा है : जिसके अनुसार किसी व्यवसाय को अपनी परिसंपत्तियों, देनदारियों और इक्विटी निवेशों को केवल उनकी मूल क्रय लागत पर ही दर्ज करना चाहिए। यह सिद्धांत कम प्रासंगिक होता जा रहा है, क्योंकि कई लेखांकन मानक परिसंपत्तियों और देनदारियों को उनके उचित मूल्यों पर समायोजित करने की दिशा में बढ़ रहे हैं।

4) Economic entity principle: This is the concept that the transactions of a business should be kept separate from those of its owners and other businesses. This prevents intermingling of assets and liabilities among multiple entities, which can cause considerable difficulties when the financial statements of a fledgling business are first audited.

4) आर्थिक इकाई सिद्धांत: यह अवधारणा है कि किसी व्यवसाय के लेन-देन उसके स्वामियों और अन्य व्यवसायों के लेन-देन से अलग रखे जाने चाहिए। यह कई संस्थाओं के बीच परिसंपत्तियों और देनदारियों के अंतर्संबंध को रोकता है, जिससे किसी नए व्यवसाय के वित्तीय विवरणों के प्रथम-अंतःपरीक्षण में काफी कठिनाइयाँ उत्पन्न हो सकती हैं।

5) Full disclosure principle: This is the concept that you should include in or alongside the financial statements of a business all of the information that may impact a reader's understanding of those statements. The accounting standards have greatly amplified upon this concept in specifying an enormous number of informational disclosures.

5) पूर्ण प्रकटीकरण सिद्धांत: यह वह अवधारणा है जिसके अनुसार आपको किसी व्यवसाय के वित्तीय विवरणों में या उनके साथ वह सारी जानकारी शामिल करनी चाहिए जो पाठक की उन विवरणों की समझ को प्रभावित कर सकती है। लेखांकन मानकों ने इस अवधारणा को व्यापक रूप से विस्तृत किया है और बड़ी संख्या में सूचनात्मक प्रकटीकरणों को निर्दिष्ट किया है।

6) Going concern principle: This is the concept that a business will remain in operation for the foreseeable future. This means that you would be justified in deferring the recognition of some expenses, such as depreciation, until later periods. Otherwise, you would have to recognize all expenses at once and not defer any of them.

6) चालू व्यवसाय सिद्धांत: यह वह अवधारणा है जिसके अनुसार कोई व्यवसाय निकट भविष्य में भी चालू रहेगा। इसका अर्थ है कि आपके लिए कुछ खर्चों, जैसे मूल्यहास, की पहचान बाद की अवधि तक स्थगित करना उचित होगा। अन्यथा, आपको सभी खर्चों को एक साथ पहचानना होगा और उनमें से किसी को भी स्थगित नहीं करना होगा।

7) Matching principle: This is the concept that, when you record revenue, you should record all related expenses at the same time. Thus, you charge inventory to the cost of goods sold at the same time that you record revenue from the sale of those inventory items. This is a cornerstone of the accrual basis of accounting. The cash basis of accounting does not use the matching the principle.

7) मिलान सिद्धांत: यह वह अवधारणा है जिसके अनुसार, जब आप राजस्व दर्ज करते हैं, तो आपको सभी संबंधित व्ययों को एक ही समय में दर्ज करना चाहिए। इस प्रकार, आप बेची गई वस्तुओं की लागत में इन्वेंट्री को उसी समय शामिल करते हैं जब आप उन इन्वेंट्री वस्तुओं की बिक्री से प्राप्त राजस्व दर्ज करते हैं। यह लेखांकन के उपार्जन आधार का एक आधार है। लेखांकन का नकद आधार मिलान सिद्धांत का उपयोग नहीं करता है।

8) Materiality principle: Disclosure of all material facts is compulsory but it does not imply that even those figures which are irrelevant are to be included in financial statements. According to this principle, only those items or information should be disclosed that have material effect and relevant to the users.

8) भौतिकता सिद्धांत: सभी भौतिक तथ्यों का प्रकटीकरण अनिवार्य है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं है कि उन आंकड़ों को भी वित्तीय विवरणों में शामिल किया जाए जो अप्रासंगिक हैं। इस सिद्धांत के अनुसार, केवल उन्हीं मदों या सूचनाओं का खुलासा किया जाना चाहिए जिनका भौतिक प्रभाव हो और जो उपयोगकर्ताओं के लिए प्रासंगिक हों।

9) Monetary unit principle: This is the concept that a business should only record transactions that can be stated in terms of a unit of currency. Thus, it is easy enough to record the purchase of a fixed asset, since it was bought for a specific price, whereas the value of the quality control system of a business is not recorded. This concept keeps a business from engaging in an excessive level of estimation in deriving the value of its assets and liabilities.

9) मौद्रिक इकाई सिद्धांत: यह अवधारणा है कि किसी व्यवसाय को केवल उन्हीं लेन-देनों का रिकॉर्ड रखना चाहिए जिन्हें मुद्रा की इकाई के रूप में व्यक्त किया जा सके। इस प्रकार, किसी अचल संपत्ति की खरीद को रिकॉर्ड करना काफी आसान है, क्योंकि इसे एक विशिष्ट मूल्य पर खरीदा गया था, जबकि किसी व्यवसाय की गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली का मूल्य रिकॉर्ड नहीं किया जाता है। यह अवधारणा किसी व्यवसाय को अपनी संपत्तियों और देनदारियों का मूल्य निर्धारित करते समय अत्यधिक अनुमान लगाने से रोकती है।

10) Reliability principle: This is the concept that only those transactions that can be proven should be recorded. For example, a supplier invoice is solid evidence that an expense has been recorded. This concept is of prime interest to auditors, who are constantly in search of the evidence supporting transactions.

10) विश्वसनीयता सिद्धांत: यह वह अवधारणा है जिसके अनुसार केवल उन्हीं लेन-देनों को दर्ज किया जाना चाहिए जिन्हें प्रमाणित किया जा सके। उदाहरण के लिए, आपूर्तिकर्ता का चालान इस बात का ठोस प्रमाण है कि व्यय दर्ज किया गया है। यह अवधारणा लेखा परीक्षकों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जो लेन-देन का समर्थन करने वाले साक्ष्यों की निरंतर खोज में रहते हैं।